हरिभूमि रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

तापमान
अधिकतम 23.5 डिग्री
न्यूनतम 4.9 डिग्री

11 मां पद्मावती की भक्ति में डूबा शहर

12 बिजली के जर्जर तार बदल रहा निगम

खबर संक्षेप

श्रीश्याम संकीर्तन की तैयारियां जोरों पर

बहादुरगढ़। श्रीश्याम बिहारी सेवा मंडल ट्रस्ट विवेकानंद नगर के तत्वावधान में एक जनवरी द्वितीय श्रीश्याम संकीर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन हरिगार्डन में होगा। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। फूल बंगला, छप्पन भोग, आलोकिक श्रृंगार, पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा व भव्य आतिशबाजी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी। एक जनवरी की दोपहर को श्याम चौक विवेकानंद नगर से एक भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी।

नूना माजरा में लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

बहादुरगढ़। नूना माजरा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें बहादुरगढ़ ब्लॉक के सभी विद्यालयों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने रोबोटिक विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, स्पेस साइंस, एग्रीकल्चर, हैल्थ एंड हाइजीन आदि के बारे में मॉडल, पोस्टर मेकिंग व रोल प्ले द्वारा बताया कि आज के समय में इनकी बहुत जरूरत हैं। प्रदर्शनी में खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह, प्राचार्य पूनम मक्कड़ व सुरेश कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे। उन्होंने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया।

बाल विवाह पर रोक के लिए दिलाई शपथ

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान विषय के संबंध में विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलिंटियर कर्मजीत छिल्लर व कार्यकर्ता संदीप जांगड़ा ने विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य में बाधा उत्पन्न करता है तथा यह दंडनीय अपराध है।

अलविदा 2025: साल भर गरमाई रही रोहतक में सियासत

वोट चोरी पर भाजपा और कांग्रेस में चलता रहा आरोप प्रत्यारोप का दौर, इनेलो की रैली से आई माहौल में गरमी

हरियाणा की राजनीति राजधानी कहे जाने वाला रोहतक इस साल कई बड़ी रैलियों का गवाह बना और पूरे साल भाजपा, कांग्रेस, इनेलो और जजपा नेता किसी न किसी मुद्दे पर भिड़ते रहे। कभी भाजपा और कांग्रेस के बीच वोट चोरी पर घमासान हुआ तो कभी इनेलो ने अपनी मौजूदगी साबित करने का प्रयास किया। अनाजमंडी में इनेलो की रैली से यहां की सियासत में काफी गरमी देखने को मिली। वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गढ़ में भाजपा ने जमकर सेंधमारी की। मेयर पद पर जीत दर्ज कर भाजपा ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया। *पेश है इस राजनीतिक मुद्दों पर रिपोर्ट...।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- दिसम्बर में अरावली को लेकर आक्रमक हुआ विपक्ष

वर्ष 2025 में रोहतक राजनीति का केंद्र बिंदु बना रहा। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस सहित इनेलो और जेजेपी नेताओं का रोहतक में अच्छा खासा दखल रहा। कभी भाजपा और कांग्रेस में वोट चोरी पर घमासान हुआ तो कभी इनेलो ने अपनी मौजूदगी साबित करने का प्रयास किया। अनाजमंडी में इनेलो की रैली से यहां की सियासत में काफी गरमी देखने को मिली। वहीं कांग्रेस नेताओं और इनेलो नेताओं ने आपस में तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया। इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला आक्रामक तेवर में नजर आए और पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लिया। वहीं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, बरसाती पानी के जलभराव पर सरकार को घेरते हुए नजर आए। देश के गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के बड़े चेहरे रोहतक में कार्यक्रमों में शिरकत करने पहुंचे। भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने वोट चोरी मामले में कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। दिसम्बर में अरावली को लेकर भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने एक दूसरे पक्ष पर बयानबाजी की।

रोहतक। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कार्यक्रम में शिरकत करते हुए।

रोहतक। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए

इनेलो की रैली से रोहतक की राजनीति में हलचल

रोहतक की राजनीति में सितम्बर माह में उस समय बड़ी हलचल देखने को मिली जब इनेलो की ओर से नई अनाज मंडी में एक बड़ी रैली का आयोजन किया गया। इस रैली ने न सिर्फ स्थानीय राजनीतिक माहौल को बदल दिया, बल्कि भाजपा और कांग्रेस के बीच पहले से चल रहे 'वोट चोरी' के आरोप-प्रत्यारोप को भी और तेज कर दिया। रैली के केंद्र में इनेलो के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला रहे। उन्होंने मंच से सीधे तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को निशाने पर लिया। रैली में अभय चौटाला ने कहा कि रोहतक की राजनीति लंबे समय से एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूम रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ा है।

अभय ने सीधे हुड्डा को घेरा

इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला वर्ष 2025 में काफी तेवर में नजर आए। उन्होंने न केवल रोहतक को केंद्र बनाकर राजनीति की बल्कि काफी लोगों को अपनी पार्टी में जगह दी। उन्होंने यहां पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा को सीधा टारगेट किया। एक बार तो यह तक कहा कि क्या रोहतक का ठेकेदार है पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा। इनेलो ने अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए खूब प्रयास किया, लेकिन अभी तक विधानसभा चुनाव को करीब चार साल हैं।

वोट चोरी का आरोप लगाए, किए प्रदर्शन

पूरा साल कांग्रेस वोट चोरी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन करती रही। कांग्रेस भवन पर कई बार प्रदर्शन किए गए। इसके अलावा सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित विधायक बीबी बत्रा ने भी कई बार बयान दिए। भारतीय जनता पार्टी ने भी इस पर पूरे जोरशोर से पलटवार किया और स्पष्ट किया कि कांग्रेस केवल लोगों को गुमराह करने की राजनीति करती है।

कांग्रेस को कई साल बाद मिले जिलाध्यक्ष

इस साल कांग्रेस को जिला शहरी एवं ग्रामीण अध्यक्ष भी मिल गए। जबकि इसके लिए सैकड़ों दावेदार कई साल से प्रयासरत थे। कई साल से इन पदों पर नियुक्ति नहीं हो पा रही थी जिसकी वजह से विरोधी भी निशाना साधते थे। कांग्रेस ने शहरी अध्यक्ष के लिए कुलदीप सिंह उर्फ केडी का चयन किया। जबकि ग्रामीण अध्यक्ष के पद के लिए बलवान रंगा चुने गए। दोनों ही ने राजनीति जीवन में संघर्ष किया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने रोहतक के लिए समय निकाला

सीएम नायब सिंह सैनी ने इस वर्ष रोहतक में कई कार्यक्रमों में शिरकत की। फरवरी में नगर निगम चुनाव के लिए संकल्प पत्र विमोचन, अप्रैल में फिल्म फेस्टिवल, अगस्त में स्वतंत्रता दिवस, सितंबर में सेवा पखवाड़ा और शिक्षा संस्थान कार्यक्रम, अक्टूबर में स्वामी आत्मानंद जयंती के अलावा मुख्य रूप से स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत रोहतक में स्वच्छता ड्राइव में भाग लिया। उनकी मौजूदगी से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। देश के गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, गौरव भाटिया ने कार्यक्रम में शिकरत करते हुए पार्टी की नीतियों और विभिन्न विषयों पर प्रचार किया।

मार्च में रोहतक को मिला मेयर

सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में हुए नगर निगम चुनाव के लिए संकल्प पत्र रोहतक भाजपा कार्यालय से जारी किया था। नगर निगम चुनाव इसी वर्ष 2 मार्च को हुआ। परिणाम 12 मार्च को घोषित किए गए। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राम अवतार वाल्मीकि ने मेयर पद पर जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस के सूरजमल किलोई को 45,000 से अधिक वोटों के बड़े अंतर से हराया। जबकि रोहतक को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता है, इसलिए कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका साबित हुआ।

पानी-सीवर के मुद्दों पर भी राजनीति

भाजपा और कांग्रेस में बिजली, पानी, सीवर और सड़क को लेकर भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चलता रहा। कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने कई बार रोहतक की मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल उठाए। स्थानीय भाजपा नेताओं ने उनकी बात पर पलटवार भी किया। साथ ही पशु डेयरियों का कन्हेली में शिफ्ट करने और मालगोदाम रोड की जर्जर हालत को लेकर भी चर्चाएं हुई। विधायक बत्रा ने शहर के कई मुद्दे विधानसभा में उठाए। अरावली की पहाड़ियों को लेकर भी नेताओं ने एक दूसरे दलों पर प्रहार किए।

क्रिसमस हमें प्रेम की सीख देता है: शालिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। क्रिसमस डे कार्यक्रम में भाग लेते एचडी स्कूल खेड़ी महम के नन्हें मुन्ने बच्चे।

एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेड़ी महम में क्रिसमस डे का आयोजन बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहां रंग-बिरंगी झालरें, क्रिसमस ट्री और सितारों ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई।

जिसमें विद्यार्थियों ने प्रभु यीशु मसीह के जन्म से जुड़ी झांकी प्रस्तुत की। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांता क्लॉज़ की वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे पूरा वातावरण खुशियों से भर गया। विद्यार्थियों ने क्रिसमस कैरोल, नृत्य और लघु नाटिका के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और सेवा का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या शालिनी गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्रिसमस हमें आपसी प्रेम, करुणा और सद्भावना की सीख देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपप्राचार्या इंदु नहरा ने भी विद्यार्थियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को मिठाइयां वितरित की गई।

अरावली को लेकर कांग्रेस के आरोप खोखले और राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित : शमशेर सिंह खरक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि झूठा भ्रम फैलाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि दीपेंद्र हुड्डा अरावली पर्वतमाला और पर्यावरण के नाम पर दिया बयान राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। दीपेंद्र हुड्डा का बयान तथ्यहीन और जनता को भ्रम में डालने वाला है। शमशेर सिंह खरक ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा का पूरा बयान न तो कानूनी तथ्यों पर आधारित है और न ही पर्यावरण संरक्षण की वास्तविक समझ को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर जनहित के मुद्दे पर राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। खरक ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अरावली और पर्यावरण की चिंता आज हो रही है, जबकि वर्षों तक हरियाणा में कांग्रेस शासन के दौरान अवैध खनन, बिल्डर माफिया और पर्यावरणीय विनाश को खुला संरक्षण दिया गया। सीएजी रिपोर्ट में जिन अवैध खनन घोटालों का उल्लेख है, वे कांग्रेस शासनकाल की ही देन हैं। उस समय दीपेंद्र हुड्डा और कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी आज उनके दोहरे चरित्र को उजागर करती है।

कांग्रेस जानबूझकर अफवाह फैला रही

शमशेर सिंह खरक ने कहा कि केंद्र सरकार ने अरावली क्षेत्र के संरक्षण को लेकर कभी भी लापरवाही नहीं बरती। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार का पक्ष पर्यावरणीय संतुलन, विकास और कानूनी प्रावधानों के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से रखा गया है। "100 मीटर" को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम जानबूझकर किया गया दुष्प्रचार है।

पीबी सेवन ग्रुप की सराहनीय पहल, कड़ाके की सर्दी में 1000 जरूरतमंदों को बांटे कंबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कड़ाके की सर्दी को देखते हुए पीबी सेवन ग्रुप के मालिक पंकज बलहारा ने एक सराहनीय सामाजिक पहल की शुरुआत की है। इस पहल के तहत इस सर्दी के मौसम में 1000 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करने का संकल्प लिया गया है। इसका उद्देश्य ठंड से जूझ रहे गरीब, बेसहारा, मजदूर वर्ग और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को राहत प्रदान करना है।

पंकज बलहारा ने बताया कि सर्दी का मौसम समाज के कमजोर वर्ग के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए ठंड कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती है। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए ग्रुप द्वारा यह मानवीय कदम उठाया गया है।

लोगों ने इस पहल को खुले दिल से सराहा

कंबल वितरण अभियान की शुरुआत बोहर और अस्थल बोहर क्षेत्र से की जा चुकी है। आने वाले दिनों में यह कार्यक्रम शहर के विभिन्न इलाकों में आयोजित किया जाएगा, जहां जरूरतमंदों तक कंबल पहुंचाए जाएंगे। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस पहल की खुले दिल से सराहना की है। यह पहल यह संदेश देती है कि व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे प्रयास समाज में सहयोग, संवेदना और सकारात्मक बदलाव को मजबूत करते हैं।

शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर फील्ड में उतरे डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार सुबह डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल एडीसी जगनिवास के साथ फील्ड में उतरे और शहर के विभिन्न पार्कों, प्रमुख चौराहे, वार्डों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने शहरी क्षेत्र में चल रहे सफाई कार्य, जल निकासी व्यवस्था, सड़कों की स्थिति तथा शहर के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। नगरपरिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी, शहरी स्थानीय निकाय, बिजली निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी साथ रहे।

अधिकारियों को निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि जिला मुख्यालय होने के नाते शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण व्यवस्था उत्कृष्ट होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण की व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में लगी स्ट्रीट लाइटों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां कहीं लाइटें खराब हैं, वहां तुरंत बदलने का कार्य किया जाए ताकि नागरिकों को रात के समय किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि सड़कों पर पड़े गड्ढों और टूटी सड़कों को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए।

विनोद ब्रांच प्रधान और प्रवीण सचिव बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। शपथ लेते हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन के नए पदाधिकारी।

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन, रजिस्टर्ड नंबर 41 (मुख्यालय चरखी दादरी) से संबद्ध हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की मैकेनिकल ब्रांच का त्रिवार्षिक चुनाव शुक्रवार को बी एंड आर मैकेनिक कार्यालय वर्कशॉप, रोहतक में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ।

चुनाव की देखरेख राज्य कार्यालय सचिव राजकुमार सेन एवं राज्य उप महासचिव जयदीप शेरावत ने की, जबकि चुनाव संचालन की जिम्मेदारी राज्य उपप्रधान दलवीर सैनी ने निभाई।

चुनाव प्रक्रिया के उपरांत सर्वसम्मति से विनोद शर्मा को ब्रांच प्रधान, प्रवीण मास्टर को ब्रांच सचिव तथा राजेश फौजी को ब्रांच कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस चुनाव ने संगठन की एकता, अनुशासन और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत किया। चुनाव समारोह में जिला प्रधान अनिल बल्हारा, जिला सचिव सज्जन सिंह, जिला प्रेस सचिव नवनीत मलिक, नसीब फौजी, दलेल धनखड़ सहित विभिन्न ब्रांचों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सैकड़ों कर्मचारियों की भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

चोरी के मामले में पांच महीने बाद एफआईआर

- रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़ के निकट ट्रेन में बैग की हुई थी चोरी
- पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़ के निकट ट्रेन में हुई चोरी के मामले में पांच महीने बाद एफआईआर दर्ज हो पाई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

वारदात गत सात जुलाई को हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के निवासी कृष्ण कुमार का कहना है कि गत सात जुलाई को वह परिवार सहित गंगा नगर से बीकानेर सराय रोहिल्ला गाड़ी में सवार हुए थे।

यात्रा के दौरान जब बहादुरगढ़ स्टेशन के निकट पहुंचे तो उनकी पत्नी का बैग चोरी हो गया।

बैग में पांच हजार रुपये, मोबाइल, आभूषण, लेडिज पर्स, दवा आदि सामान था। अपने स्तर पर काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

फिर सराय रोहिल्ला में पहुंचने पर शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

नैतिकता सही गलत के व्यक्तिगत सिद्धांतों और आंतरिक विवेक पर आधारित होती है

आरकेपी स्कूल मदीना में स्वयंसेवकों को दी चरित्र निर्माण की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मदीना के आरकेपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को एनएसएस शिविर का शुभारंभ किया गया। शनिवार को कैंप का दूसरा दिन था। दूसरे दिन एनएसएस स्वयंसेवकों को कॉऑर्डिनेटर ईश्वर हुड्डा ने नैतिकता ,युवा शक्ति की अवधारणा तथा चरित्र निर्माण के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नैतिकता सही गलत के व्यक्तिगत सिद्धांतों और आंतरिक विवेक पर आधारित होती है जबकि नीतिशास्त्र किसी समूह या पेशे द्वारा निर्धारित बाहरी नियमों और आचार से जुड़ा होता है, जिसमें नैतिकता का एक बड़ा हिस्सा शामिल होता है। लेकिन यह बाहरी नियमों और सामाजिक मानकों से निर्देशित होता है।

महम। एनएसएस कैंप में स्वयंसेवकों को समाजसेवा के लिए प्रेरित करते मोटिवेशनल शिक्षक।

युवाओं में चरित्र निर्माण को लेकर दिया संदेश

ये दोनों मिलकर हमारे चरित्र और व्यवहार को दिशा देते हैं। चरित्र निर्माण के महत्व को दर्शाते हुए ईश्वर हुड्डा ने बताया कि देश हित के लिए चरित्र निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है। चरित्र निर्माण से तात्पर्य व्यक्ति के नैतिक मानसिक और सामाजिक गुणों के विकास से है जो उसे एक आदर्श नागरिक बनाते हैं। एक सुदृढ़ और सशक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब उसके नागरिक ईमानदार, अनुशासित और समाज के प्रति उत्तरदायी हों। चरित्रवान व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह अपने कार्यों में नैतिकता, सत्यनिष्ठा और कर्त्तव्यपरायणता का पालन करते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और विश्वास की भावना का विकास होता है। स्वामी विवेकानंद की युवा शक्ति की अवधारणा को दर्शाते हुए कोऑर्डिनेटर ईश्वर हुड्डा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र के निर्माता कहा है, जिनमें असीम ऊर्जा व क्षमता होती है। उन्हें आत्मविश्वास ,चरित्र निर्माण निडरता और निस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलकर अपने सपनों को साकार करना चाहिए क्योंकि यही शक्ति भारत को विश्व गुरु बना सकती है । उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से भरकर उन्हें असंभव को संभव करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थी स्वयंसेवियों ने इनसे संबंधित कविता वाचन किया तथा पोस्टर भी बनाए। स्कूल निदेशक साहिल दांगी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र-छात्राओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है और उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील नागरिक के रूप में संवारने और उन्हें आत्मानुशासित बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

खबर संक्षेप

बास्केटबॉल व फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

रोहतक। शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में वर्ष 2025 के बास्केटबॉल एवं फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साह और खेल भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि युवा भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर रहे, जिनका विद्यालय परिवार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। मुख्य अतिथि हिमांशु ग्रोवर ने अपने संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त

ब्रह्मलीन महंत बाबा लक्ष्मण पुरी की 31वीं पुण्यतिथि 28 और 29 को

■ डेरा बाबा श्री लक्ष्मण पुरी गोहाना में दो दिवसीय भव्य आध्यात्मिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। ब्रह्मलीन महंत श्री बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज का डेरा।

बाबा लक्ष्मण पुरी।

ब्रह्मलीन महंत श्री बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज की 31वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर 28 व 29 दिसंबर 2025 को डेरा बाबा श्री लक्ष्मण पुरी महाराज, गोहाना में दो दिवसीय भव्य धार्मिक, आध्यात्मिक एवं समाजसेवी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ पूरे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक उत्सव होगा। राकेश बहल ने बताया कि बाबा लक्ष्मण पुरी का संपूर्ण जीवन मानव सेवा, तपस्या और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग को आध्यात्मिक मार्गदर्शन दिया और सेवा को ही साधना का सर्वोच्च रूप बताया।

उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उनके विचारों और आदर्शों से जोड़ने का माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर को सायं 6:00 बजे भजन संध्या से होगी, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायिका साध्वी पूर्णिमा अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण में डुबो देंगी। इसके पश्चात रात्रि 10:00 बजे से 29 दिसंबर रात्रि 10:00 बजे तक अखंड जाप (श्री गुरु वचो नमः) का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निरंतर मंत्रोच्चार के माध्यम से गुरु भक्ति और लोक कल्याण की कामना की जाएगी। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद और गरीब वर्ग को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और समाज में सेवा व संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं, सामाजिक संगठनों, युवाओं और क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा लक्ष्मण पुरी को श्रद्धांजलि अर्पित करें और इस पावन आयोजन को सफल बनाएं।

कार्यक्रम में संत-महात्मा बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज देंगे प्रवचन

राकेश बहल ने आगे बताया कि 29 दिसंबर को प्रातः 9:00 बजे विधिवत हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शांति, सद्भाव और राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की जाएगी। इसके उपरांत प्रातः 10:00 बजे संत श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न संप्रदायों के संत-महात्मा बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक योगदान और समाज के प्रति उनके संदेशों पर प्रकाश डालेंगे। दोपहर 12:00 बजे भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महासचिव महंत कमल पुरी महाराज का विशेष सान्निध्य प्राप्त होगा, जिससे कार्यक्रम की आध्यात्मिक गरिमा और अधिक बढ़ेगी। साथ ही अनेक संत, महात्मा, साधु-संत और सामाजिक प्रतिनिधि भी इस आयोजन में भाग लेंगे। राकेश बहल ने जानकारी दी कि बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज की सेवा-परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 29 दिसंबर को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, निःशुल्क दवाइयों का वितरण तथा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

मुख्य आकर्षण महाप्रसाद, विशेष उपहार, लक्की ड्रॉ और भव्य साज-सज्जा रही

मां पदमावती की भक्ति में डूबा शहर भजन संध्या में जमकर थिरके श्रद्धालु

शुभारंभ समाजसेवी उद्योगपति सुरेन्द्र कुमार जैन व माया जैन तथा एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

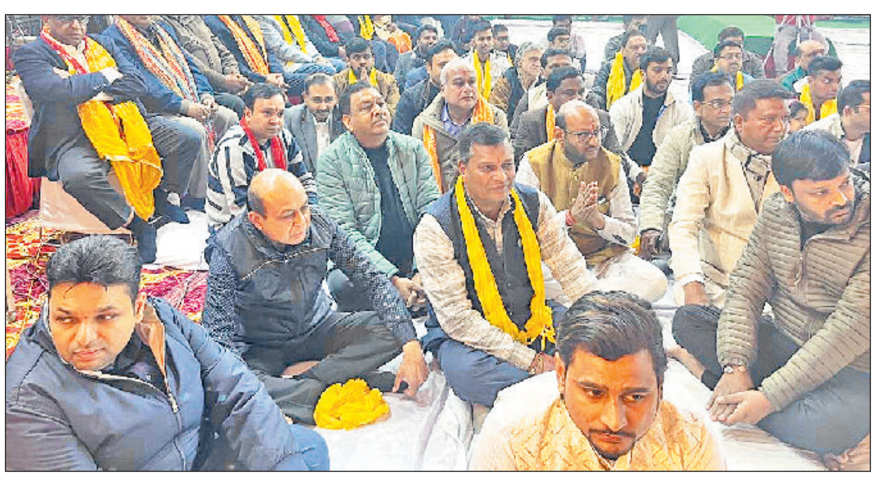
रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

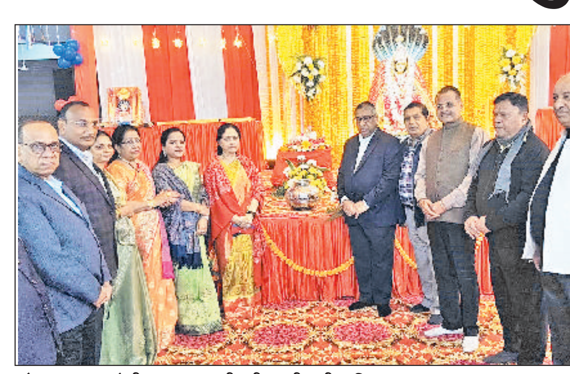
रोहतक। महादेवी मां पदमावती की उन्नीसवीं भक्ति आराधना का शुभारंभ करते समाजसेवी उद्योगपति सुरेन्द्र कुमार जैन, माया जैन और एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन। फोटो : हरिभूमि

श्री पदमावती-क्षेत्रपाल भक्तगण मंडल रोहतक द्वारा झज्जर रोड स्थित श्री दिगंबर जैन जती जी में जिनशासन महादेवी मां पदमावती की उन्नीसवीं भक्ति आराधना के दूसरे दिन विशाल भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिसमें महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से देखने को मिली। भजन संध्या का शुभारंभ समाजसेवी उद्योगपति सुरेन्द्र कुमार जैन व माया जैन तथा एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन व संध्या जैन द्वारा अखंड ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात मां पदमावती की मूर्ति का अनावरण कर भव्य चांदी का ध्वज फहराया गया। मां के दरबार में चांदी का मुकुट, सोलह श्रृंगार, पंचमेवा, पंचफल, पंचपकवान, वस्त्र, गोद भराई व फूलों से सजे पालने ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। भजन संध्या में जैन भजन सम्राट रूपेश जैन इंदौर, अंकिता जैन मुजफ्फरनगर तथा दिल्ली से आए जैन साहिब म्यूजिकल ग्रुप ने मां पदमावती का गुणगान कर ऐसा समा बांधा कि श्रद्धालु झूम उठे। महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने भजनों पर जमकर नृत्य किया। मुख्य आकर्षण महाप्रसाद, विशेष उपहार, लक्की ड्रॉ और भव्य साज-सज्जा रही। पूरे पंडाल को गुलाब के फूलों व रंगीन लाइटों से सजाया गया था। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने संगीतमय महाआरती की। मंच संचालन सतीश जैन व राजीव जैन ने किया। इस अवसर मनोज जैन डब्बु, विजय जैन, प्रभाष जैन, वरूण जैन, आनंद जैन, नरेन्द्र जैन, संजय जैन, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, निखिल जैन, राहुल जैन, अनिल जैन बैंक वाले, सुनील जैन, समाजसेवी दीपक जैन, मनोज जैन बिट्टू, सतीश जैन, राजीव जैन नानक, सुरेन्द्र जैन, आयुष जैन, राजा जैन, अचीन जैन, सुमीत जैन, अभिषेक जैन, आदि थे।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए आकर्षक मॉडल

रोहतक। केवीएम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा तीसरी से 12वीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में सोलर सिस्टम, स्कूल मॉडल, हार्ट फंक्शन, सोलर लाइट, रेस्पिरेटरी सिस्टम, चंद्रयान, वोल्कानो, पृथ्वी की परतें के साथ अन्य वर्किंग मॉडल भी बनाए। छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी में बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्या डॉक्टर मीना कौशिक, नर्सिंग कालेज प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा व स्कूल संचालक कर्मवीर मायना ने विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। स्कूल प्रधानाचार्या ने बच्चों के कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। विज्ञान प्रदर्शनी में आए हुए अभिभावकों ने बच्चों के कार्य को देखते हुए सराहना की।

आयुष सांगवान ने शूटिंग प्रतियोगिता में लहराया परचम

रोहतक। डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज दिल्ली में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में सांगवान इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा आठवीं के छात्र आयुष सांगवान ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर इंडियन ट्रायल टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर प्राची सांगवान ने भी 17 दिसंबर को यह उपलब्धि हासिल की थी । दोनों बच्चे अब अंतर्राष्ट्रीय खेलों की तैयारी करेंगे। बच्चों की सफलता का श्रेय उनके कोच शरद कुमार की कड़ी मेहनत , बच्चों की लगन और मैनेजमेंट के सहयोग को जाता है। इस ऐतिहासिक सफलता पर सांगवान स्कूल में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय के प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान तथा विद्यालय समन्वयक प्रमिला सांगवान ने दोनों बच्चों और उनके कोच शरद कुमार को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एमडीएन पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ विंटर कार्निवल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में परामर्श सत्र में भाग लेते विद्यार्थी।

एमडीएन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित विंटर कार्निवल हर्षोल्लास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक वैभव का अनुपम उदाहरण बनकर सम्पन्न हुआ। विद्यालय प्रांगण में व्याप्त उत्साह और रंगों की बहुरंगी छटा ने समूचे आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि सुरेश मलिक ने किया। इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वेस्टर्न नृत्य, ब्राज़ीलियन नृत्य, पंजाबी एवं राजस्थानी लोकनृत्य ने मंच को जीवंत कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सांस्कृतिक चेतना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2024–25 में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय की दृष्टि, ध्येय एवं शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी भी साझा की गई। कार्निवल के प्रमुख आकर्षणों में रैंप वॉक, लाइव बैंड, फ्रीज डांस, डीजे के साथ मुक्त नृत्य, त्वरित चित्रकला प्रतियोगिता तथा विभिन्न चरणों में आयोजित लकी ड्रा शामिल रहे, जिनमें अभिभावकों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

आयोजन की सफलता पर छात्रों-शिक्षकों को दी बधाई

विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनू टहल्यानी ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी सृजनात्मकता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

खरैंटी में पशुपालन विभाग ने स्वास्थ्य और बांझपन जांच का शिविर लगाया

रोहतक। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा द्वारा जिला के गांव खरैंटी में पशु स्वास्थ्य एवं बांझपन जांच शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह शिविर उपायुक्त सचिन गुप्ता के नेतृत्व तथा उप निदेशक पशुपालन एवं डेयरी रोहतक डॉ. सूर्य खटकड़ एवं एसडीओ पशुपालन एवं डेयरी डॉ. हितेश राठी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 99 पशुपालक किसानों ने भाग लिया, जिनमें 222 पशुओं की जांच एवं उपचार किया गया। इन पशुओं में 187 भैंसें, 34 गायें व एक कुत्ता शामिल थे। शिविर में बांझपन एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों एवं कृमिनाशक (डिवॉर्मिंग) उपचार का प्रबंधन किया गया। रोगों की पुष्टि हेतु पशुओं के नमूने एकत्र कर जिला प्रयोगशाला भेजे गए।

चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में सही निर्णय लेने के लिए मानसिक रूप से विद्यार्थियों को किया मजबूत

■ जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में परामर्श सत्र में भाग लेते विद्यार्थी।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में ऑडिटोरियम में कक्षा 9वी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 'ग्रैटिफिकेशन (आत्मसंतोष एवं सकारात्मक दृष्टिकोण)', एंपैथी एंड डिसीजन मेकिंग विषय पर एक आंतरिक सत्र का सफल आयोजन किया गया।

इस परामर्श सत्र की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य डॉ ममता मलिक द्वारा की गई। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में कृतज्ञता, आत्मसंतोष, सकारात्मक सोच तथा मानसिक संतुलन जैसे महत्वपूर्ण जीवन-मूल्यों को विकसित करना तथा चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में सही निर्णय लेने के लिए मानसिक रूप से सशक्त बनाने की दृष्टि से किया गया। सत्र के दौरान सरल उदाहरणों, गतिविधियों एवं संवादात्मक तरीकों से विद्यार्थियों को यह समझाया कि जीवन में छोटी-छोटी उपलब्धियों पर संतोष करना, आभार व्यक्त करना तथा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना आवश्यक है। सत्र को और अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु विद्यार्थियों को कुछ प्रेरणादायक क्लिप दिखाए गए तथा उनसे संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिससे विद्यार्थियों में उस विषय की गहराई को समझने और विचार व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को इन प्रेरक गतिविधियों के साथ-साथ एंपैथी पर आधारित एक कहानी भी साझा की गई। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि केवल अपनी भावनाओं को समझना और सर्वोपरि रखना ही नहीं बल्कि दूसरों के स्थिति में स्वयं को रखकर सोचने की क्षमता विकसित करना भी बहुत आवश्यक होता है ताकि हम एक बेहतर और संवेदनशील इंसान बन सकें। सत्र के समापन पर विद्यार्थियों को यह स्पष्ट किया गया कि जब हम अपने जीवन की अच्छाइयों को गिनते हैं और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखते हैं तो कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में सही निर्णय लेना हमारे लिए और अधिक सरल हो जाता है।

विद्यार्थियों को जीवन में खुशी का मूल्य बताया

सत्र की मुख्य गतिविधि जार आफ ग्रेटिफिकेशन रही। जिसमें विद्यार्थियों ने अपने जीवन के किसी एक आशीर्वाद, सकारात्मक अनुभव या अच्छी भावना को पर्ची पर लिखकर जार में डाला। इसके बाद इन पर्चियों को सामूहिक रूप से जोर से पढ़ा गया। यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रोचक, विचारोत्तेजक और आत्ममंथन करने वाली सिद्ध हुई। जिससे उन्हें यह अनुभव हुआ कि उनके जीवन में मौजूद हर छोटी खुशी भी कितनी मूल्यवान है।

छात्र गुरनाम को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल काहनौर में वार्षिक खेल प्रतियोगिता में छाए विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काहनौर में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अशोक नांदल ने किया। प्रतियोगिता में 100 मीटर व 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, रिले रेस, कबड्डी, फुटबॉल, रस्सा कस्सी सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। समस्त प्रतियोगिताएं राजेश (डी.पी.ई.) एवं अजय कुमार (प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा) की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे जोश, उत्साह और खेल भावना का परिचय देते हुए भाग लिया। प्राचार्य अशोक नांदल ने कहा कि यह वर्ष विद्यालय के लिए खेलों के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ है। हरियाणा सरकार द्वारा विद्यालय को खेल नर्सरी की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण मिला, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों ने खंड, जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

प्राचार्य ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। प्रतियोगिता में छात्र गुरनाम को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। गुरनाम ने 5 किलोमीटर पैदल चाल की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर पाँचवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाता को बैज लगाते मुख्य अतिथि संत सुखा शाह महाराज एवं समाजसेवी सुनील बल्ली।

रोहतक। अम्बेड़कर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संत सूखा शाह महाराज ने की। आज के मुख्य अतिथि सुनील बल्ली समाजसेवी रहे। शिविर में 29 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर संत सुखा शाह एवं सुनील बल्ली ने सभी युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। संत सुखा शाह ने सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र और बैज देकर सम्मानित किया। अम्बेड़कर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संत सूखा शाह महाराज ने की। इस दौरान डॉक्टर रवि रंगा समाजसेवी, अशोक शर्मा, विजय गुप्ता, सुरेंदर गर्ग, सरदार कुकी सिंह, पी के तायल, राजू पांचाल मुना,पंकज कपूर,सरदार मनप्रीत सिंह राजिन्दर मनचंदा मौजूद रहे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
Nursing Staff 4
ICU Staff 6
PRO/Marketing Executive 6
Ward Boy 2
Gate Keeper 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हडिड्यों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज फ्री
ECHS
• हरियाणा सरकार
• आयुष्मान भारत
• ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

खबर संक्षेप

पाड़ा मोहल्ले में श्रमिक छत से गिरा, मौत

रोहतक। पाड़ा मोहल्ला में मजदूर की छत से गिरने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अलाउद्दीन निवासी कुशीनगर यूपी मिस्त्री का काम करता था। वह पाड़ा मोहल्ला नजदीक पटवारखाना वाली गली में काम कर रहा था। जहां छत से गिर गया। जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण आज

रोहतक। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस भवन अम्बेडकर चौक पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के शहरी अध्यक्ष कुलदीप केडी सहित ग्रामीण अध्यक्ष बलवान रंगा और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

बोहर से बुजुर्ग महिला लापता

रोहतक। गांव बोहर से एक महिला लापता हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी है। अभी तक महिला का पता नहीं लग पाया है। संतोष धर्मपत्नी सतबीर उम्र लगभग 60 वर्ष, शुक्रवार सुबह अपने घर बोहर गांव से टहलने के लिए निकली थीं, लेकिन अब तक वापस घर नहीं पहुंची हैं। परिजनों के अनुसार उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है। महिला ने हरे रंग का सूट तथा क्रीम रंग का शॉल ओढ़ा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला की तलाश की जा रही है।

भैणीभैरों के पास बाइक गन्ने से भरी ट्राली से टकराई, चालक की मौत

महम। भैणीभैरों गांव के पास सीसर खास रोड पर हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। महम थाना पुलिस ने अज्ञात ट्राली मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। महम थाना पुलिस को दी शिकायत में भैणीभैरों गांव निवासी गीता पत्नी राजकुमार ने बताया कि वह अपने बेटे विशांत, अपने पति राजकुमार और अपनी बहन पिंकी के साथ मोटर साइकिल पर सवार होकर सीसर खास गांव की ओर से अपने गांव की ओर आ रहे थे। जब वे शाम को सवा छह बजे भैणीभैरों गांव से एक किलोमीटर दूरी पर थे, तब सड़क पर एक गन्ने की ट्राली खड़ी थी। ट्रॉली मालिक ने सड़क पर कोई रोड साइन नहीं लगा रखा था। अंधेरा होने के कारण मोटर साइकिल की टक्कर गन्ने की ट्रॉली में लग गई। इस हादसे में वे चारों घायल हो गए। लेकिन उसको और उसके बेटे विशांत व उसकी बहन पिंकी पत्नी मुकेश वासी भैणीभैरों को कम चोट लगी हैं। जबकि उसके पति गंभीर चोटें आई। राहगीरों उन्हें अस्पताल ले गए, जहां उनकी मौत हो गई।

रोहित धनखड़ हत्या मामले में एक मुख्य आरोपी फरार, पुलिस ने पिता से की पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव हमायुंपुर निवासी बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ की हत्या के मामले में पुलिस कार्रवाई तेज हो गई है। पुलिस ने जतिन की शिनाख्त पर 10 लोगों की पहचान की है। हालांकि पुलिस केवल पांच लोगों को गिरफ्तार कर पाई है। हत्या के मुख्य 4 आरोपियों में से एक आरोपी अभी फरार है। एक आरोपी के पिता से भी पूछताछ चल रही है। हाल ही में परिवार ने सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर न्याय की मांग की थी। सीएम ने इस मामले में डीजीपी बातचीत की थी। इसके बाद उन्होंने केस की जांच भिवानी पुलिस से लेकर रोहतक पुलिस को सौंपने के आदेश जारी किए थे। जल्द ही केस की फाइल रोहतक पुलिस के पास पहुंच सकती है।

जतिन से शिनाख्त पर पुलिस ने दस की पहचान की थी, मर्डर में अब तक पांच गिरफ्तार

- पूछताछ में खुलासा, आरोपियों ने कहासुनी के बाद तीन गाड़ियों में रोहित का पीछा किया था
- न्याय के लिए मुख्यमंत्री से मिले थे परिजन

अजीत की जानकारी जुटा रही पुलिस

जानकारी के अनुसार, बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ अपने दोस्त गांव बौंदकलां निवासी जतिन के साथ 28 नवंबर को उसकी बहन की ननद की शादी में शगुन डालने भिवानी गया था। शादी समारोह के दौरान तिगड़ाना से बारात आई, जिसमें कुछ युवकों के साथ कहासुनी हुई और बाद में उन्हीं युवकों ने रास्ता रोककर रोहित के साथ मारपीट करते हुए अधमरा कर दिया। रोहित ने इलाज के दौरान पीजीआई में दम तोड़ दिया। रोहित धनखड़ की हत्या के मामले में अभी तक 10 लोगों की पहचान हुई है, जिसमें स्कोर्पियो गाड़ी में तरुण, दीपक, आकाश बैठे हुए थे। वहीं ऑल्टो गाड़ी में बिट्टू, आकाश व गाड़ी का ऑनर सचिन है। उधर वरना गाड़ी में गगन व आशीष मौजूद थे। इसके अलावा वरुण शादी समारोह में मौजूद था और आरोपी अजीत के पिता हरनाथ के पिता से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पंचायत ने गठित की 11 सदस्यीय कमेटी

रोहित धनखड़ हत्याकांड में 13 दिसंबर को सर्वखाप की पंचायत हुई, जिसमें 11 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई। कमेटी ने निर्णय लिया कि रोहित के परिवार में एक सरकारी नौकरी, एक करोड़ की आर्थिक सहायता व आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और केस को भिवानी से रोहतक शिफ्ट करने की मांग की जाएगी। इसी मांग को लेकर सीएम से मुलाकात की गई।

परिजनों का आरोप, 20 से 22 लोग हत्या में शामिल

रोहित धनखड़ की मां संतोष ने हाल ही में वीडियो जारी करके पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया था। साथ ही कहा कि बेटे के के लिए इंसाफ चाहिए। पुलिस अब तक कुछ लोगों को ही पकड़ पाई है, जबकि मारने वाले 20 से 22 लोग हैं। बाकी आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में उन्होंने आत्मदाह जैसा कदम उठाने को लेकर भी बयान दिया था। परिजनों का कहना है कि पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करे।

बिजली निगम की बड़ी तैयारी : उपभोक्ताओं को मिलेगी निर्बाध बिजली आपूर्ति

जर्जर तार बदले जा रहे, ओवरलोड ट्रांसफार्मर को किया जा रहा अपग्रेड

तारों के पास पेड़ों की कटाई-छटाई में जुटे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आने वाली गर्मियों में बिजली को लेकर आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न झेलनी पड़े, इसके लिए बिजली निगम ने अभी से कमर कस ली है। बीते वर्षों में गर्मी के मौसम में ओवरलोड, ट्रांसफार्मर खराब होने, तारों के गर्म होने और बार-बार ट्रिपिंग जैसी समस्याओं के कारण उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इन्हीं अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार बिजली निगम ने समय रहते व्यापक स्तर पर मरम्मत, रखरखाव और अपग्रेडेशन कार्य शुरू कर दिया है।

- मरम्मत, अपग्रेडेशन और सुरक्षा कार्यों से ट्रिपिंग व कटौती से मिलेगी राहत

बिजली निगम का मुख्य उद्देश्य यह है कि जब तापमान अपने चरम पर हो और बिजली की मांग कई गुना बढ़ जाए, तब उपभोक्ताओं को बिना रुकावट और सुरक्षित बिजली मिल सके। इसके लिए पुराने और जर्जर तारों को बदला जा रहा है, क्षमता से अधिक लोड झेल रहे ट्रांसफार्मरों को अपग्रेड किया जा रहा है तथा सब स्टेशनों पर तकनीकी सुधार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही बिजली लाइनों के आसपास पेड़ों की कटाई कर सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि तेज आंधी या तूफान के दौरान फॉल्ट की संभावना कम हो। यह कार्य केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली खपत लगातार बढ़ रही है। नए आवासीय क्षेत्र,

रोहतक। शहर में एक ट्रांसफार्मर पर मरम्मत का कार्य करती बिजली निगम की टीम।

उद्योग, अस्पताल और शिक्षण संस्थान बिजली पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसे में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना जरूरी हो गया है। निगम का दावा है कि अभी किए जा रहे ये कार्य गर्मियों में निर्बाध आपूर्ति की मजबूत नींव साबित होंगे।

लो वोल्टेज से मिलेगा छुटकारा

मरम्मत और अपग्रेडेशन कार्य के दौरान कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित करना आवश्यक हो जाता है, ताकि काम सुरक्षित और सही तरीके से किया जा सके। निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन अस्थायी असुविधाओं का उद्देश्य लंबे समय तक उपभोक्ताओं को राहत देना है। भविष्य में बार-बार बिजली कट, लो वोल्टेज और फॉल्ट की समस्या न हो, इसके लिए यह कदम जरूरी हैं। बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निर्धारित समय के दौरान धैर्य बनाए रखें। निगम का प्रयास रहेगा कि सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाए।

मरम्मत के चलते आज यहां बिजली बाधित रहेगी

सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक चलेगा काम

बिजली निगम द्वारा तीन अलग-अलग क्षेत्रों में मरम्मत एवं तकनीकी कार्य किए जाएंगे, जिसके चलते अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। पहला क्षेत्र 33 केवी न्यू ग्रेन मार्केट पावर हाउस की सप्लाई 132 केवी एचएसआईडीसी सब स्टेशन में कार्य के कारण सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी। इस दौरान वैश्य कॉलेज, नया पड़ाव, अग्रसेन कॉलोनी, जनता कॉलोनी, कच्चा बेरी रोड, न्यू जनता कॉलोनी, सुनारिया रोड, श्रीराम नगर, हरी सिंह कॉलोनी, कुंज विहार, नई अनाज मंडी, नई सब्जी मंडी, शुगर मिल कॉलोनी, अजीत कॉलोनी, राजेंद्र कॉलोनी, पालिका कॉलोनी, रेलवे फीडर, ओमेक्स तथा मेन डिस्पोजल फीडर की सप्लाई बाधित रहेगी।

33 केवी लाइन पर भी सप्लाई बंद रहेगी

33 केवी लाइन बहु जमालपुर पर पेड़ों की कटाई के चलते सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली बंद रहेगी। इस दौरान गढ़ी खेड़ी जमालपुर, सिंहपुरा खुर्द जगमग, निदाना कृषि पंप, हिसार रोड शहरी फीडर, बहु अकबरपुर ग्रामीण वितरण प्रणाली और एयर मदीना फीडर प्रभावित रहेंगे। 33 केवी सब स्टेशन पीजीआईएमएस पर मासिक मरम्मत कार्य के चलते सुबह 9 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान पीजीआई कॉलोनी, निदेशक कार्यालय और नई ओपीडी क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

जिले के गांवों के साथ शहर में भी चल रहा काम

आमजन की सुविधाओं के लिए ही यह मरम्मत कार्य किए जाते है। शहर व ग्रामीण इलाकों की ज्यादातर जर्जर तारों को बदला जा चुका है। गर्मियों के समय में लोड के कारण लगने वालों कटों से लोगों का बचाया जाएगा। ज्यादातर गांव में मीटर भी बाहर लगवा दिए गए है। जहां पर जरूरत थी उसके हिसाब से ट्रांसफार्मर भी अपग्रेड करवा दिए गए है।
-बिजेंद्र नरवाल, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम

कूड़े में पड़ा मिला नवजात का शव, जांच में जुटी पुलिस

सांपला। कस्बे में शनिवार की दोपहर बाद कूड़े के ढेर में नवजात का शव मिला। जिसकी आसपास के लोगों में डर फैल गया। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शिशु के शव को कब्जे में लिया और रोहतक पीजीआई के डेड हाउस में भेजा है। बच्चे के शरीर पर अस्पताल की चिट लगी हुई है। बताया जा रहा है कि नवजात नौ माह का है। चर्चा है जन्म के कुछ देर बाद ही बच्चे की सांस रुक गई। डाक्टरों ने सूंड पर नीडल लगा रखी है। बाद में परिवार ने नवजात को मिट्टी में दफना दिया। बाद में कुत्तों ने गंध आने पर शव को बाहर निकाल लिया। शव के हाथों पर खरोंच के निशान है। राहगीरों ने नवजात का शव देखकर लोगों को इसकी जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के समीप के सीसीटीवी फुटेज खंगालेगे। कस्बे के अस्पतालों से भी जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस ने बताया कि बेरी रोड श्मशान घाट के पीछे पड़े गोबर के ढेर में नवजात का शव मिला है। शव दो से तीन दिन का बताया जा रहा है। इस संबंध में पड़ताल की जा रही है।

सांपला। घटनास्थल पर जमा लोग।

शिविर में लोगों का स्वास्थ्य जांचा

रोहतक। शिवाजी कालोनी स्थित एचजीएस मैमोरियल अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में हड्डी रोग डॉक्टर विनीत वर्मा, दंत रोग के डॉक्टर हर्ष वैद, एक्यूथैरपी के डॉक्टर रजत, गायनी की डॉक्टर प्रियंका ने मरीजों की जांच की और निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। शिविर में दर्जनों लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। लोगों को सर्दी से बचाव की भी जानकारी दी गई। इस अवसर वार्ड नम्बर 16 की निगम पार्षद मुक्ता नागपाल, वार्ड 7 के निगम पार्षद कपिल नागपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खाप चौधरी बोले, शादियों में फिजूलखर्ची पर लगे रोक

सांपला। खंड के गांव भैंसरु खुर्द में शनिवार को सहरावत खाप की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें रोहतक सोनीपत, झज्जर और दिल्ली से कई खापों से प्रतिनिधि शामिल हुए। पंचायत करीब चार घंटे चली। जिसमें सामाजिक बुराइयों, शादी समारोह व अन्य कार्यों में फिजूल खर्ची कम करने, युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने, पर्यावरण संरक्षण आदि पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसी बुराइयां बढ़ रही है जो सामाजिक ताने-बाने को खराब कर रही हैं।

भैंसरु खुर्द में सहरावत खाप ने की अध्यक्षता

पंचायत की अध्यक्षता सहरावत खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष मूलचंद दिल्ली व संचालन संयोजक संदीप बिरोहड़ ने किया। इसके अलावा धनखड़ खाप से डाक्टर ओमप्रकाश, कादयान खाप से अतर सिंह, जाखड़ से रामभगत, दलाल से कैप्टन मान सिंह, देशवाल से संजय अनिल विनोद,सरोहा खाप से रोहतास, खत्री से जयबीर, दहिया से जयपाल, कुलदीप मलिक जगंवत हुड्डा आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

हॉकी टीम का ट्रायल : 30 खिलाड़ियों से हिस्सा लिया, 24 का चयन

रोहतक। नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी प्रतियोगिता के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की हॉकी टीम के चयन के लिए ट्रायल का आयोजन किया गया। यह ट्रायल जाट कॉलेज के हॉकी मैदान में आयोजित हुआ, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ट्रायल में कुल 30 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें से उत्कृष्ट खेल कौशल के आधार पर 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया।

नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी में भाग लेंगे : डॉ. तेजपाल

ट्रायल एमडीयू के कार्यवाहक खेल निदेशक डॉ. तेजपाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं और अनुशासन व टीम भावना के साथ खेल जारी रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर जाट संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने भी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। ट्रायल का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफल रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

साइबर अपराध से बचाव के लिए पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

रैनसमवेयर हमले का खतरा, संदिग्ध लिंक व फिशिंग ईमेल से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने रैनसमवेयर जैसे खतरनाक साइबर हमलों से बचाव को लेकर महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में जहां तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर अपराधियों ने भी नई-नई तरकीबों से लोगों को ठगना शुरू कर दिया है। ऐसे में सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि रैनसमवेयर एक प्रकार का हानिकारक सॉफ्टवेयर (मैलवेयर) होता है, जो कंप्यूटर, मोबाइल या अन्य डिजिटल डिवाइस में प्रवेश कर उसकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह बाधित कर देता है। इस हमले के बाद डिवाइस की स्क्रीन पर एक संदेश दिखाई देता है, जिसमें सिस्टम को दोबारा चालू करने के बदले पैसे की मांग की जाती है। इसे ऑनलाइन फिरौती भी कहा जाता है। कई मामलों में पीड़ित का महत्वपूर्ण डाटा लॉक या नष्ट कर दिया जाता है, जिससे उसे भारी आर्थिक और मानसिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि रैनसमवेयर हमले प्रायः फिशिंग ईमेल, संदिग्ध लिंक, अनजाने अटैचमेंट या संक्रमित वेबसाइट पर क्लिक करने से फैलते हैं। साइबर अपराधी सरकारी विभाग, बैंक या प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम से फर्जी ईमेल भेजकर लोगों को भ्रमित करते हैं और एक छोटी सी लापरवाही पूरे सिस्टम को खतरे में डाल सकती है।

साइबर ठगी होने होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार के साइबर अपराध या ऑनलाइन ठगी का शिकार हो जाता है, तो घबराने के बजाय तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके अलावा साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत कॉल कर शिकायत देने से संदिग्ध ट्रांजेक्शन को फ्रीज कराया जा सकता है, जिससे वित्तीय नुकसान से बचा जा सके।उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित व्यक्ति नजदीकी पुलिस थाना, चौकी या साइबर थाना रोहतक में भी सूचना दे सकता है। समय पर दी गई जानकारी से अपराधियों तक पहुंचना आसान हो जाता है।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सतर्क रहें, जागरूकता अपनाएं और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि साइबर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

हमेशा रहें सतर्क

- किसी भी अज्ञात स्रोत से प्राप्त ईमेल, लिंक या संदिग्ध फाइल को बिना जांचे न खोलें
- अपने कंप्यूटर और मोबाइल में हमेशा अपडेटेड एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि विंडोज फायरवॉल चालू और सही तरीके से कॉन्फिगर हो
- अपने अति महत्वपूर्ण दस्तावेजों, फोटो और डेटा का नियमित अंतराल पर किसी सुरक्षित स्थान या बाहरी डिवाइस में बैकअप बनाते रहें
- ईमेल अकाउंट में स्पैम फिल्टर को सक्रिय रखें ताकि फर्जी और संदिग्ध मेल अपने आप ब्लॉक हो सकें
- सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय अपने डाटा अनजान लोगों से शेयर न करें।

एनसीसी कैडेट्स ने नदियों व नहरों में कचरा न डालने का किया आह्वान

महम। जल संरक्षण का पोस्टर दिखाते एनसीसी कैडट्स।

महम। रामकृष्ण परमहंस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में 22 से 27 दिसंबर तक जल जीवन मिशन सप्ताह मनाया गया। एनसीसी कैडेटस ने जल जीवन मिशन को जल उत्सव के रूप में मनाया। सीटीओ सुषमा दूहन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में जल के महत्त्व को रेखांकित करना तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। विद्यार्थियों ने जल ही जीवन है और जल बचाओ, भविष्य बचाओ लिखकर पोस्टर बनाए। इन सशक्त नारों के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स ने यह संदेश दिया कि जल को प्रदूषित होने से बचाएं। दैनिक जीवन में किस तरह छोटे लेकिन प्रभावी उपाय अपनाकर जल संरक्षण किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि स्वच्छ जल हमारे स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। जल संरक्षण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जरूरी

स्कूल निदेशक साहिल दांगी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भाव को विकसित करते हैं। जल उत्सव के समापन पर यह संदेश स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि जल हमारे जीवन का आधार है और इसकी प्रत्येक बूंद अमूल्य है।

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा

कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

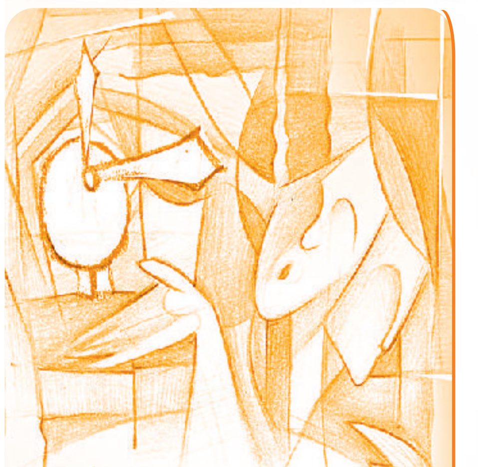

कविता

राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

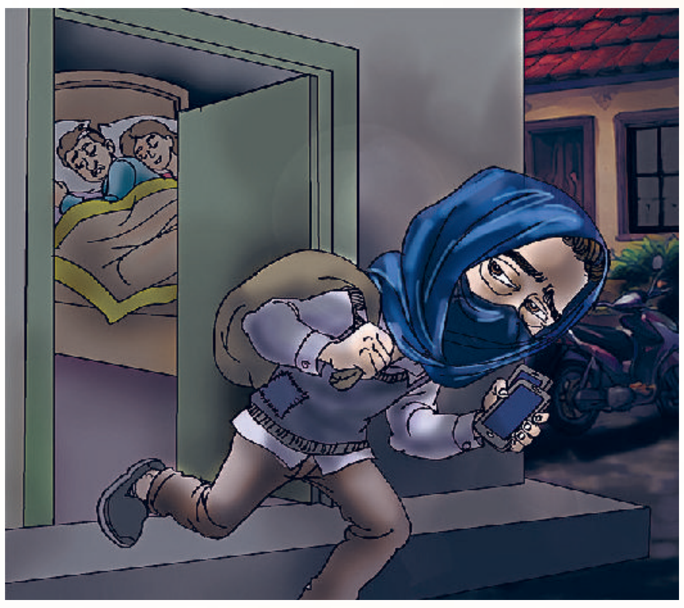

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?

स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

न्यू ईयर ईव का जश्न
हो रही तैयारी जोरदार

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सर्दी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजपथ के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक फ्यूजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और

पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसे यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतटों पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकटें रिकॉर्ड बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हुजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिसाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार

जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती हैं। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल तेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैंडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गूंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।

शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लग्जरी कैंप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिल्कुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।

बैंग्लुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों

में बैंग्लुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप्स पर इंटी बैंड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट ब्रुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा
हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेशंस।

सजेशन / अंजू जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतें और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे इर्द-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?

एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगराइज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मेंटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इंवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इंवॉल्व होंगे। स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नशे से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें।

एक्शन: फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिशें असफल हो गईं। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का।

एक्शन: नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांवाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और कलीग्स के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है।

एक्शन: हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वर्णिम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025
साल की शानदार अचीवमेंट्स

साइंस-टेक
संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखी। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बढ़े कदम: एआई और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एसईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडेक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप्स ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रौद्योगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया। डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बैटरी प्रणाली सौंपी है कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

बॉलीवुड-2025
कैलाश सिंह

इस साल थिएटर-ओटीटी पर
किन फिल्मों ने मचाया धमाल

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजहें और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप रहीं तो कुछ छोटे बजट की फिल्में भी सक्सेसफुल रहीं। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फासला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टैक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

बदल रही दर्शकों की पसंद: चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मदुरै, मालाप्पुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं है, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।'

नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर: इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया वे हैं, 'एफ1,' 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग 4', 'डेमन स्लेयर' और 'फाइनल डेस्टिनेशनः ब्लडलाइंस।'

इस साल रिलीज सफल फिल्में: बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवांस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4 मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोखा', 'थुदारुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्में अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रूपए) 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्में भी की गईं पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप थ्रोबैक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेंडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर दुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वारंट', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडाला मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'खाकी : द बंगाल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

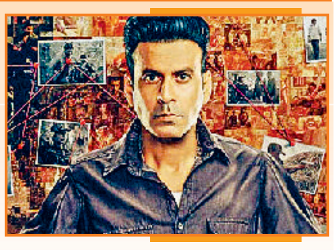

दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)